

गीतिकाव्य पुं. (तत्.) गेय प्रधान और आत्मपरक काव्य, प्रगीत काव्य।

गीति नाट्य पुं. (तत्.) गेय नाटक।

गीति रूपक पुं. (तत्.) साहि. रूपक, एक प्रकार का रूपक जो पूरा या बहुत कुछ पद्य में लिखा होता है। opera

गीथा स्त्री. (तत्.) 1. गीत, गाना 2. वचन, वाणी।

गीदड़ पुं. (फा.गीदी) 1. सियार, शृगाल 2. भेड़िये की जाति का एक जानवर मुहा. गीदड़ बोलना-बुरा शकुन होना वि. डरपोक, बुजदिल जैसे-गीदड़ भभकी-दिखाऊ धमकी।

गीदी वि. (फा.) 1. जिसे साहस न हो, डरपोक, कायर 2. बेहया, निर्लज्ज।

गीध पुं. (तद्.) 1. गृध, गिच्छ 2. जटायु नामक गिद्ध ना.अर्थ अत्यंत चतुर और लालची एवं लोभी व्यक्ति।

गीबत पुं. (अर.) 1. अनुपस्थिति, गैर हाज़िरी 2. चुगुलखोरी, चुगली।

गीर स्त्री. (तद्.) 1. वाणी वि. (फा.) 2. एक प्रत्यय जो कुछ शब्दों के अंत में लगकर निम्नलिखित अर्थ देता है जैसे- राहगीर, दामनगीर, जहाँगीर 1. पकड़ने वाला 2. अपने अधिकार में रखने वाला।

गीरथ पुं. (तत्.) 1. बृहस्पतिका एक नाम 2. जीवात्मा।

गीर्ण वि. (तत्.) 1. वर्णित, कहा हुआ 2. निगला हुआ।

गीर्वाण पुं. (तत्.) देवता, सुर।

गीर्वाण कुसुम पुं. (तत्.) लवंग, लोंग।

गीर्वाणी स्त्री. (तत्.) देववाणी, संस्कृत।

गीर्वि वि. (तत्.) निगलने वाला।

गीला पुं. (देश.) एक जंगली लता वि. (देश.) भीगा हुआ, नम, आर्द्र।

गुंगा वि. (फा.) दे. गूंगा।

गुंगी स्त्री. (फा.) 1. चुप्पी, मौन 2. वाक् शक्ति का अभाव।

गुंगुआना अ.क्रि. (अनु.) 1. धुँआ देना, अच्छी तरह न जलना 2. गूँ गूँ शब्द करना, अस्पष्ट शब्द निकालना, गूँगे की तरह बोलना।

गुंचा पुं. (फा.) 1. कली, कोरक 2. नाच रंग 3. जश्न, आनंद-मंगल।

गुंची स्त्री. (तद्.) दे. घुँघची।

गुंज स्त्री. (तत्.) 1. गुँजार, भौरों के भनभनाने का शब्द 2. कलरव 3. गले में पहनने का एक गहना 4. फूलों का गुच्छा।

गुंजक पुं. (तत्.) एक प्रकार का पौधा वि. गुंजन करने वाला।

गुंजन पुं. (तत्.) 1. भौरों के गुँजने की क्रिया, गुँजार, भनभनाना।

गुंजल्क स्त्री. (फा.) 1. शिकन, सिलवट 2. गेंडुली 3. उलझन की बात, गुथी 4. गाँठ, ग्रंथि।

गुंजा स्त्री. (तत्.) घुँघची नाम की लता।

गुंजाइश पुं. (फा.) 1. स्थान, जगह, अँटने की जगह, समाने भर की जगह, अवकाश प्रयो. इस मकान में दस व्यक्तियों से अधिक की गुंजाइश नहीं है 2. समाई, सुबीता प्रयो. अभी इतने की गुंजाइश हमारे यहाँ नहीं है 3. लाभ, बचत।

गुंजान वि. (देश.) घना, अविरल, सघन।

गुंजार पुं. (तद्.) भौरों की गूँज, भनभनाहट।

गुंजिका स्त्री. (तत्.) दे. घुँघची, गुंज।

गुंजिया स्त्री. (देश.) कान का एक गहना।

गुंठन पुं. (तत्.) 1. आच्छादन, ढक्कन 2. घूँघट 3. लेपन।

गुंठा वि. (देश.) नाटे कद का, नाटा, बौना पुं. नाटे कद का घोड़ा।

गुंठित वि. (तत्.) 1. ढका हुआ 2. छिपा हुआ 3. आवृत्त 4. लेपन किया हुआ, लेपित।

गुंड पुं. (तत्.) 1. कसेरु का पौधा 2. फलों का पराग 3. मलार राग का भेद वि. चूर किया या पीसा हुआ।